भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

तारांकित प्रश्न सं. 245 का उत्तर

कटिहार जंक्शन का विकास

***245. श्री राजेश रंजन:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने रेल यातायात में होने वाली वृद्धि के दृष्टिगत कटिहार जंक्शन पर और अधिक यार्ड, प्लेटफार्म और बाईपास लाइनें बनाने की कोई योजना बनाई है;

(ख) क्या सरकार बिहार के सीमांचल क्षेत्र को पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी राज्यों से जोड़ने के लिए नई रेल संपर्क परियोजनाओं के लिए एक विस्तृत मास्टर प्लान बना रही है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 05.08.2026 को लोक सभा में तारांकित प्रश्न सं. 245 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): कटिहार जंक्शन स्टेशन को प्रतिदिन 172 यात्री गाड़ियों द्वारा सेवित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रतिदिन 25 मालगाड़ियां इस स्टेशन से होकर गुजरती हैं। वर्तमान में, यात्री/माल यातायात मांग की पूर्ति के लिए कटिहार जंक्शन स्टेशन पर निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:

- **49 लाइनें**
- **09 प्लेटफार्म**
- **04 पिट लाइनें**
- **02 स्टैबलिंग लाइनें**

बिहार के सीमांचल क्षेत्र की पश्चिम बंगाल तथा पूर्वोत्तर राज्यों से संपर्कता में सुधार लाने के लिए, निम्नलिखित परियोजनाएं/सर्वेक्षण स्वीकृत किए गए हैं:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्थिति
1	कटिहार-कुमेदपुर दोहरीकरण (30 किमी)	कटिहार-कुरेथा खंड (11 किमी) कमीशन कर दिया गया है। 7 में से 3 बड़े पुलों पर कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। सभी छोटे पुलों पर कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।
2	कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (35 किमी)	कटिहार-सोनैली खंड (17 किमी) कमीशन कर दिया गया है। 10 में से 3 बड़े पुलों पर कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

		5 में से 2 स्टेशन भवनों पर कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।
3	अलुआबाड़ी-ठाकुरगंज दोहरीकरण (20 किमी)	परियोजना हाल ही में ₹326 करोड़ की लागत पर स्वीकृत की गई है।
4	ठाकुरगंज-सिलीगुड़ी दोहरीकरण (57 किमी)	परियोजना हाल ही में ₹916 करोड़ की लागत पर स्वीकृत की गई है।
5	अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी तथा चौथी लाइन (57 किमी)	परियोजना हाल ही में ₹1,630 करोड़ की लागत पर स्वीकृत की गई है।
6	सिलीगुड़ी-न्यू जलपाईगुड़ी दोहरीकरण (7 किमी)	परियोजना हाल ही में ₹326 करोड़ की लागत पर स्वीकृत की गई है।
7	अलुआबाड़ी-कुमेदपुर तीसरी तथा चौथी लाइन (129 किमी)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।
8	मालदा टाउन-कुमेदपुर तीसरी तथा चौथी लाइन (62 किमी)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।
9	गोल्डनगंज-कटिहार तीसरी तथा चौथी लाइन (300 किमी)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।
10	अररिया-ठाकुरगंज दोहरीकरण (111 किमी)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।

11	फारबिसगंज-लक्ष्मीपुर नई लाइन (18 किमी)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाली 2,183 किमी कुल लंबाई तथा ₹76,631 करोड़ लागत वाली 27 परियोजनाएं (14 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन तथा 11 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किमी में)	कमीशन की गई लंबाई (किमी में)	मार्च, 2026 तक व्यय (₹ करोड़ में)
नई लाइन	14	781	207	36,747
आमान परिवर्तन	2	734	655	2,066
दोहरीकरण/मल्टी-ट्रैकिंग	11	669	165	4,566
कुल	27	2,184	1,027	43,379

हाल ही में पूर्ण की गई परियोजनाएं:

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाली तथा हाल ही में पूर्ण की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (₹ करोड़ में)
1	अररिया-गलगलिया (ठाकुरगंज) नई लाइन (111 किमी)	4,415
2	भैरबी-सायरंग नई लाइन (51 किमी)	8,601

3	रंगिया के रास्ते न्यू बोंगईगांव-अगथोरी दोहरीकरण (143 किमी)	2,048
4	अगरतला-अखौरा नई लाइन (5 किमी)	865
5	दिगारू-होजाई दोहरीकरण (102 किमी)	1,873
6	अंबारी फालाकाटा-न्यू मयनागुड़ी दोहरीकरण (38 किमी)	843
7	न्यू मैनागुड़ी-गुमानीहाट दोहरीकरण (52 किमी)	1,167
8	अगरतला-सबरूम नई लाइन (112 किमी)	3,170
9	हल्दीबाड़ी अंतरराष्ट्रीय सीमा नई लाइन (3 किमी)	90
10	लामडिंग-होजाई दोहरीकरण (45 किमी)	410
11	संबद्ध लाइन सहित बोगीबील पुल (92 किमी)	5,820
12	न्यू कोचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 किमी)	330
13	न्यू कोचबिहार-समुक्तला रोड दोहरीकरण (29 किमी)	445
14	काटाखाल-भैरबी आमान परिवर्तन (84 किमी)	348
15	कुमारघाट-अगरतला आमान परिवर्तन (109 किमी)	1,242
16	लामडिंग-बदरपुर-सिलचर तथा बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन (412 किमी)	6,500
17	न्यू माल जंक्शन-चंगराबांधा आमान परिवर्तन (62 किमी)	316
18	रंगिया-मुरकोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510 किमी)	3,019

जारी परियोजनाएं

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाली कुछ प्रमुख परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (₹ करोड़ में)
1	जिरीबाम-इंफाल नई लाइन (111 किमी)	21,886
2	डिमापुर-कोहिमा नई लाइन (82 किमी)	6,663
3	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 किमी)	11,775
4	बालुरघाट-हिल्ली नई लाइन (30 किमी)	1,181
5	मुरकोंगसेलेक-पासीघाट नई लाइन (27 किमी)	1,249
6	बनारहाट (भारत) से सम्त्से (भूटान) नई लाइन (20 किमी)	577
7	कोकराझार (भारत) से गेलेफू (भूटान) नई लाइन (69 किमी)	3,456
8	न्यू बोंगाईगांव-गोआलपाड़ा-गुवाहाटी (कामाख्या) दोहरीकरण (176 किमी)	4,984
9	सरायघाट पुल दोहरीकरण (7 किमी)	1,474
10	लामडिंग-फरकाटिंग दोहरीकरण (140 किमी)	2,124
11	कटिहार-कुमेदपुर तथा कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (65 किमी)	943
12	अलुआबाड़ी रोड-ठाकुरगंज दोहरीकरण (20 किमी)	327

13	अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी तथा चौथी लाइन (57 किमी)	1,630
14	फरकाटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण (194 किमी)	3,634

इसके अतिरिक्त, विगत तीन वर्षों अर्थात् 2023-24, 2024-25, 2025-26 तथा चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में पड़ने वाले 2,772 किमी कुल लंबाई के 33 सर्वेक्षण (21 नई लाइन तथा 12 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई प्रथम और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में शामिल हैं:

- निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।
- शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीवन संबंधी स्वीकृति तथा परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई करना।

स्टेशन पुनर्विकास

रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए कटिहार जंक्शन स्टेशन को चिह्नित किया है।

बिहार में स्थित कटिहार जंक्शन स्टेशन पर, अधिक ऊंचाई वाले प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, सभी प्लेटफार्मों पर प्लेटफार्म शेल्टर, मूत्रालय एवं शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल, लिफ्ट, एस्केलेटर, पेयजल सुविधाएं, प्रकाश व्यवस्था सहित परिचलन क्षेत्र इत्यादि जैसी यात्री सुविधाएं उपलब्ध हैं।

कटिहार जंक्शन स्टेशन पर, हाल के वर्षों में, प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 पर अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर, दिव्यांगजनों के लिए शौचालय तथा मनिहारी टर्मिनल के प्लेटफार्म की ऊंचाई बढ़ाने संबंधी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, कटिहार जंक्शन स्टेशन के पुनर्विकास कार्य को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्वीकृत किया गया है। कटिहार जंक्शन स्टेशन पुनर्विकास कार्य के मास्टर प्लान में निम्नलिखित कार्य परिकल्पित हैं:

- प्लेटफार्म सतह में सुधार
- प्लेटफार्म शेल्टर का प्रावधान
- स्टेशन भवन में सुधार
- परिचलन क्षेत्र तथा पार्किंग में सुधार

इस स्टेशन पर प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह में सुधार तथा स्टेशन भवन में सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें भारतीय रेल के स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लानिंग में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियां/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से तथा व्यवहार्यतानुसार संवहनीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों आदि तथा दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टर के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1,340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से कटिहार जंक्शन स्टेशन सहित 98 स्टेशन बिहार में स्थित हैं। बिहार में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, देहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, काढ़ागोला रोड, कटिहार जंक्शन, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरियासराय, लखमीनिया, लखीसराय, मधुबनी, महेशखुंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मसरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नवगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सुगौली, सहरसा, साहिबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सालमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पतोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सिवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे

बिहार में वे स्टेशन जिनका कार्य पूरा कर लिया गया है:

बिहार में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। बिहार में पूर्ण किए गए स्टेशनों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	8	बनमनखी, दौरम मधेपुरा, कहलगांव, पीरपैंती, सबौर, शिवनारायणपुर, सिमुलतला, थावे

बिहार में अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं जिनमें से कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिहार के स्टेशन:

- गया स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए आगमन भवन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर नया प्रस्थान भवन, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया आगमन तथा प्रस्थान भवन, नया प्लेटफार्म संख्या 8, नए प्लेटफार्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स तथा परिचलन क्षेत्र में सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।
- मुजफ्फरपुर स्टेशन: संयुक्त टर्मिनल भवन, 3 मीटर चौड़ा स्काईवॉक (उत्तर दिशा), बुकिंग काउंटर तथा कार्यालय भवनों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। चरण-I का मुख्य स्टेशन भवन, एलिवेटेड सड़क, आगमन टर्मिनल भवन, प्रस्थान टर्मिनल भवन, मल्टी-लेवल कार पार्किंग, 6 मीटर चौड़ा स्काईवॉक (दक्षिण दिशा), 18 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य शुरू किए गए हैं।
- किशनगंज स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 1 तथा 2 पर प्लेटफार्म सतह का निर्माण, प्लेटफार्म संख्या 1 तथा 2 पर पीने के पानी के नल, परिचलन क्षेत्र में सुधार, द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग, पहुंच मार्ग तथा बाउंड्री वॉल के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। प्लेटफार्म शेल्टर तथा 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- सालमारी स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 1 का विस्तार तथा ऊंचाई बढ़ाने, स्टेशन भवन में सुधार तथा प्लेटफार्म संख्या 1 पर प्लेटफार्म शेल्टर के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। 3 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र में सुधार तथा प्लेटफार्म संख्या 2 पर प्लेटफार्म शेल्टर के कार्य शुरू किए गए हैं।
- बरसोई जंक्शन स्टेशन: 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पहुंच मार्ग, प्लेटफार्म सतह में सुधार तथा नए स्टेशन भवन के कार्य शुरू किए गए हैं।
- ठाकुरगंज स्टेशन: 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, प्लेटफार्म संख्या 2 पर प्लेटफार्म सतह में सुधार, प्लेटफार्म शेल्टर, शौचालय ब्लॉक तथा प्लेटफार्म संख्या 1 की ऊंचाई बढ़ाने के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। प्लेटफार्म संख्या 1 पर

प्लेटफार्म सतह में सुधार, कोच इंडिकेशन बोर्ड तथा ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड की संस्थापना के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण, एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण उस स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

*****